AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सड़क उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होने की जरूरत

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग और ब्रेकथ्रू इंडिया की ओर से रविवार को 'सड़क उत्पीड़न के खिलाफ खड़े हों' का पहला ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इसमें खराब सड़कों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर बात की गई।

विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने सभी प्रतिभागियों और अतिथि वक्ता शुभम सिंह चौहान का स्वागत किया। ब्रेकथ्रू इंडिया के प्रशिक्षक शुभम ने कुछ हालिया उदाहरणों के साथ सड़क उत्पीड़न की जानकारी दी। उन्होंने इसका शिकार होने का अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने यह भी बताया कि वे कैसे सड़क उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित हुए। उन्होंने विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न के वीडियो दिखाए और इसके परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया, जो जीवन की गुणवत्ता को खराब करते हैं। उन्होंने कई कारणों पर चर्चा की, जिसके कारण लोग अपनी आवाज नहीं उठाते हैं और चुप रहकर पीड़ित होते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया जाता है कि लोग इस डर को कैसे दूर कर सकते हैं। विभाग की शोध छात्रा अमरीन खान ने धन्यवाद ज्ञापित किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि में मिशन नेट-जेआरएफ का आयोजन

माई सिटी रिपोर्टर

पीजी स्टूडेंट्स को दी गई परीक्षा से जुड़ी जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को नेट-जेआरएफ की तैयारी कराने के उद्देश्य से रविवार को शिक्षा विभाग व कॅरियर एंड गाइडेंस सेल के सहयोग से 'मिशन नेट/जेआरएफ शिक्षाः संरचना, स्रोत और रणनीति' विषयक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम में 50 एमए और एमएड के छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य परीक्षा के पैटर्न, परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों के प्रकार, समय प्रबंधन, संदर्भ सामग्री के स्रोत और विभिन्न प्रारंभिक दृष्टिकोणों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देना था।

सत्र का उद्घाटन डीन शिक्षा विभाग प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने किया। मुख्य वक्ता अर्चना पाल, आस्था सिंह और नूतन पांडे (जेआरएफ, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम, संरचना, रणनीति, महत्वपूर्ण पुस्तकों के बारे में और परीक्षा के समय क्या करें और क्या न करें, के बारे में अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए।

प्रो. मधुरिमा प्रधान निदेशक, परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ ने परामर्श एवं निर्देशन प्रकोष्ठ के उद्देश्य एवं इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी। प्रो. अमिता बाजपेयी पूर्व डीन, शिक्षा विभाग ने भी अपने अनुभव साझा किए।

लविवि की उर्मिका ने प्राप्त किया पहला स्थान

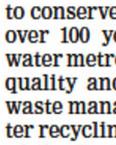

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि संकाय की छात्रा उर्मिका पांडेय ने लेक्स पीपस एवं हिमांजली गौतम चैम्बर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पीआईएल ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'इंटरनेट शटडाउन इन इंडिया' था, जिसमें देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। उर्मिका को इस उपलब्धि के लिए पुरस्कार स्वरूप एक हजार रुपये और अधिवक्ता हिमांजली गौतम (अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय) के साथ इंटर्नशिप करने का मौका दिया जाएगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

एलयू की उर्मिका पीआईएल ड्राफ्टिंग में अव्वल

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के सेकंड इयर की छात्रा उर्मिका पांडेय ने राष्ट्रीय पीआईएल ड्राफ्टिंग प्रतियोगिता में पहला पायदान हासिल किया है। इन्हें इनामी राशि के अलावा उच्चतम न्यायालय की वरिष्ठ अधिवक्ता हिमांजली गौतम के साथ इंटर्नशिप करने का मौका भी दिया गया है। लेक्स पीपस और हिमांजली गौतम चेंबर के तहत हुई प्रतियोगिता का विषय 'इंटरनेट शटडाउन इन इंडिया' था। इसमें देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों ने चुनौती पेश की थी। प्रतियोगिता के लिए 32 प्रतिभागियों का चयन किया गया था। सभी को 30 पन्नों की पीआईएल भेजनी थी, जिसे एक्सपर्ट कमिटी ने सभी का मूल्यांकन किया और उर्मिका को विजयी घोषित किया। विवेकानंद इंस्टिट्यूट ऑफ प्रफेशनल स्टडीज से उदय यशवीर सिंह और साक्षी कोमल संयुक्त रूप से दूसरे और आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ की नीलम पांडेय तीसरे पायदान पर रहीं।

नेट-जेआरएफ पास करने के बताए तरीके

■ एनबीटी, लखनऊः कोरोना काल में भी नेट-जेआरएफ पास करने के तरीकों से रुबरू करवाने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय में रविवार को ऑनलाइन कार्यक्रम हुआ। इस दौरान एमए और एमएड के विद्यार्थियों को नेट-जेआरएफ का पैटर्न, परीक्षा में पूछे जाने वाले सवालों के तरीके, समय प्रबंधन, संदर्भ सामग्री के स्त्रोत और कई अहम जानकारियों से रुबरू करवाया गया। लविवि शिक्षा विभाग के डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी, डॉ. अर्पणा गोडबोले और प्रो. मधुरिमा प्रधान ने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। लविवि के शिक्षा विभाग की पहली जेआरएफ और लविवि शिक्षा विभाग की पूर्व डीन प्रो. अमिता बाजपेयी के अलावा अर्चना पाल, आस्था सिंह और नूतन पाण्डेय ने भी अपने विचार रखे।

NBT PAGE 4

एलयू न्यू कैंपस में बनेगा फार्मेसी इंस्टिट्यूट

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय जानकीपुरम स्थित अपने दूसरे परिसर में इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज फॉर वीफार्मा ऐंड डीफार्मा (आईपीएसवीडी) खोलने के जा रहा है। 8,170 वर्ग मीटर क्षेत्र में वनने वाले इस सरकारी इंस्टिटयूट के जरिये जो छात्र फार्मेसी में करियर वनाना चाहते हैं, उनके लिए वेहतर विकल्प वताया जा रहा है। आईपीएसवीडी पूर्व शिक्षक प्रो. नवीन खरे को निदेशक की जिम्मेदारी दी गई है।

अब कार्य समिति की अंतिम मुहर का इंतजार: पिछले दिनों लविवि की वित्त समिति की वैठक में इंजिनियरिंग संकाय के तहत संस्थान खोलने के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई है। अव इसे अंतिम सहमति के लिए 11 जून को कार्यकारी समिति के सामने रखा जाएगा। विवि के जिम्मेदारों के मुताविक, संस्थान में दो सेल्फफाइनैंस पाठ्यक्रम वैचलर इन फार्मेसी (वीफार्मा) की 100 सीटों

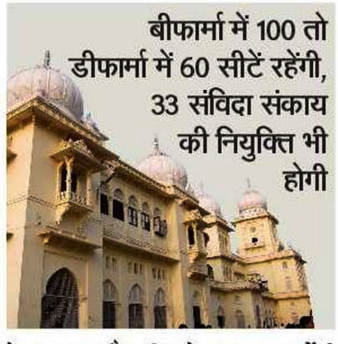

बीफार्मा में 100 तो डीफार्मा में 60 सीटें रहेंगी, 33 संविदा संकाय की नियुक्ति भी होगी

के साथ और डिप्लोमा इन फार्मेसी (डीफार्मा) 60 सीटें रहेंगी। 33 संविदा संकाय नियुक्त किए जाएंगे। शैक्षणिक सत्र 2020-2021 के लिए विवि को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से मंजूरी मिल जाएगी, तो दो पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन जल्द ही आमंत्रित किया जाएगा।

तीन मंजिला हाईटेक भवन में होगी उन्नत प्रयोगशाला: तीन मंजिला हाईटेक भवन चार उन्नत प्रयोगशालाओं से लैस होगा और धीरे-धीरे माइक्रोवॉयालजी, फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन, वायोटेक्नॉलजी, ह्यूमन एनॉटमी फिजियॉलजी और फार्माकोग्नॉसी के लिए आधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ एक समर्पित अनुसंधान संस्थान में वनाया जाएगा।

कोरोना महामारी में मददगार साबित होगा इंस्टिट्यूट: निदेशक के मुताविक, संस्थान का अहम मकसद फार्मेसी शिक्षा के जरिये स्वास्थ्य और दवा की खोज को आगे वढ़ाने के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान को आगे वढ़ाना है, जो कोविड-19 महामारी के समय की आवश्यकता है। फार्मास्युटिकल, वायोमेडिकल और नैदानिक विज्ञान में अभिनव अनुसंधान और प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशाल व्याख्यान कक्ष, ट्यूटोरियल रूम, प्रशासनिक कार्यालय, सेमिनार हॉल, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैव और अन्य दवा प्रयोगशालाएं रहेंगी।

TOI PAGE 2

LU campus green audit finds rich flora and fauna

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has met the 'green criteria' to score better in two key evaluations by getting done a green audit of its campus.

The audit will help LU get a better position in the National Institutional Ranking Framework and in the National Assessment and Accreditation Council.

In a span of six months, a team of environmental experts from a Lucknow-based private company has analysed and documented the flora and fauna of the campus, level of cleanliness, monitoring of energy consumption, quality of water conservation and organic and solid waste generation and management.

The report also suggests ways to make the campus green and eco-friendly.

The green audit report highlights that LU is saving Rs 5 lakh per month on electricity bills due to the installation of 1000-kilowatt solar panels. It also reveals that the university is extremely rich in flora with over a hundred trees of around 40 varieties on the campus. These include sandalwood, Parijaat, white siris, chir, rubber, chinaberry, palm, Ashok, Palash and khirni.

Besides, more than 65 species of birds were found on the campus in the green audit report.

These include hornbill, tree pie, owl, barbet, sunbirds and robins. Adding to the vibrancy are around 25 species of butterflies on the campus.

"The university is extremely rich in flora and fauna and now we have a proper record of it in the form of a green audit. The audit suggests that the varsity needs to conserve trees which are over 100 years old, install water metres to check water quality and adopt ways of waste management and water recycling," said director of the Institute of Wildlife Sciences at LU Prof Amita Kanaujia.

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

संरचना, स्रोत व रणनीति पर अभिविन्यास कार्यक्रम

'मिशन नेट/जेआरएफ शिक्षा

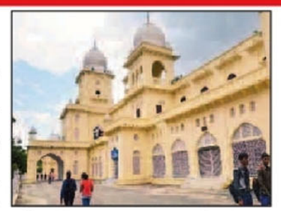

लखनऊ (एसएनबी)। शिक्षा विभाग द्वारा परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से कोरोना महामारी में शैक्षणिक गतिविधियों में कोई स्कावट न आये श्रृंखला के क्रम में नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण करने के लिए आवश्यक रणनीति पर विचार विमर्श करने के उद्देश्य से रविवार को 'मिशन नेट/जेआरएफ शिक्षा : संरचना, स्रोत और रणनीति' पर एक दिवसीय ऑनलाइन अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सत्र का उद्घाटन करते हुए लविवि शिक्षा विभाग की प्रमुख व डीन प्रो. तृप्ता त्रिवेदी ने इस प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम के आयोजन के लिए डा. अर्पणा गोडवोले, समन्वयक, परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ को वधाई दी और भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम को आयोजित करते रहने के लिए आश्वासन दिया।

लविवि परामर्श और मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की निदेशक प्रो. मधुरिमा प्रधान ने परामर्श एवं निर्देशन प्रकोष्ठ के उद्देश्य एवं इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से होने वाले लाभों के वारे में जानकारी दी और नेट/जेआरएफ की तैयारी के लिए भी अपने अनुभव साझा किए। मुख्य वक्ता अर्चना पाल, आस्था सिंह और नूतन पांडे (जेआरएफ, शिक्षा विभाग, लविवि) ने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम, संरचना, रणनीति व महत्वपूर्ण पुस्तकों के वारे में तथा परीक्षा के समय क्या करें और क्या न करें के वारे में अपने अनुभव साझा किये। कार्यक्रम के समापन पर लविवि शिक्षा विभाग की पूर्व प्रमुख और डीन प्रो. अमिता वाजपेयी ने तैयारी के संवंध में अपनी अंतरदृष्टि साझा की।

छात्रों को किया गया सड़क उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित : लखनऊ विश्वविद्याय के समाज कार्य विभाग और ब्रेकथ्रू इंडिया ने संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 'सड़क उत्पीड़न के खिलाफ खड़े' का प्रशिक्षण सत्र का आयोजन ऑनलाइन माध्यम से किया गया, जिसमें छात्रों को सड़क उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया गया। समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने सभी प्रतिभागियों और अतिथि वक्ता शुभम सिंह चौहान का स्वागत कर सत्र का उद्घाटन किया तथा विषय के वारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इस दौरान ब्रेकथ्रू इंडिया के प्रशिक्षक शुभम सिंह चौहान ने कुछ उदाहरणों के साथ इस मुद्दे के वारे में विचार दिए और इसका शिकार होने का अपना अनुभव साझा किया तथा वताया कि कैसे उन्हें सड़क उत्पीड़न के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न के वारे में वीडियो प्रदर्शित करके इसके परिणामों पर ध्यान केंद्रित किया।

AMRIT VICHAR PAGE 2

नेट-जेआरएफ तैयारियों के लिए दिए सुझाव

लखनऊ। कोरोना महामारी के दौरान शैक्षणिक गतिविधियों में रुकावट न आए इसके लिए लविवि शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन प्रकोष्ठ की ओर से विमर्श का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला के क्रम में नेट-जेआरएफ उत्तीर्ण करने के लिए आवश्यक रणनीति पर विचार विमर्श, मिशन नेट नेट-जेआरएफ शिक्षा, संरचना, स्रोत और रणनीति विषयक एक दिवसीय ऑनलाइन सेमिनार हुआ। जिसमें लगभग 50 एमए और एम.एड. शिक्षा विभाग, एलयू के छात्रों ने हिस्सा लिया। मुख्य वक्ता अर्चना पाल, आस्था सिंह और नूतन पांडे (जेआरएफ, शिक्षा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय) ने प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम, संरचना, रणनीति, महत्वपूर्ण पुस्तकों के बारे में और परीक्षा के समय क्या करें और क्या न करें के बारे में अनुभव साझा किये। इस दौरान प्रो. तृप्ता त्रिवेदी डीन, शिक्षा विभाग, समन्वयक डॉ. अर्पणा गोडबोले, प्रो. मधुरिमा प्रधान आदि थे।